

पत्रावली पेश हुई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं अप्रार्थी श्री दीपचन्द पुत्र श्री मोहनलाल बाजिया जाति जाट निवासी- ग्राम पोस्ट - ठिकरिया, तह- खण्डेला, सीकर, मैसर्स- विनायक जनरल स्टोर, बीकानेर बस स्टैण्ड, रींगस-सीकर, उपस्थित हुये। अप्रार्थी ने उपस्थित होकर निवेदन किया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा दिनांक 04.08.2021 को समय 2:15 पी.एम. पर रींगस सीकर, में निरीक्षण के लिए पहुंचे। निरीक्षण के दौरान विक्रय किये जा रहे फर्म मैसर्स विनायक जनरल स्टोर, बीकानेर बस स्टैण्ड, रींगस-सीकर, में अप्रार्थी श्री दीपचन्द बेसन (तनसुख) का विक्रय कर रहा था। विक्रेता को मैंने अपना परिचय दिया व उनके नाम व पता पूछा जो उन्होंने बताया। अप्रार्थी श्री दीपचन्द से वर्ष 2021 का खाद्य पदार्थ अनुज्ञा पत्र के बारे में पूछा गया तो विक्रेता ने मौके पर खाद्य लाइसेन्स वर्ष 2021 होना बताया।

फर्म पर श्री दीपचन्द द्वारा बेसन (तनसुख) का विक्रय किया जा रहा था। फर्म पर उपलब्ध लकड़ी के रिक में 500 ग्राम 20 सिलबन्ध बेसन (तनसुख) थैलियों के स्टोक में से वास्ते नमूना जांच हेतु नमूना लेने के लिए कहा व फार्म नम्बर 5ए की प्रति तैयार कर नमूना लेने कि सूचना दी तथा प्राप्ति रसीद ली। नमूना जांच 500 ग्राम की चार सिलबन्ध थैलियां बेसन (तनसुख) खरीदा जिसकी कीमत विक्रेता को 200 रु नगद देकर रसीद प्राप्त कि जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर है। तथा उपस्थिति गवाहन के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं ने हस्ताक्षर किये। उक्त नमूना मिथ्याछाप पाया गया।

प्रार्थी व अप्रार्थी को सुना गया एवं पत्रावली व पत्रावली के संलग्न दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। प्रार्थी नम्बर एफ-2351 खाद्य पदार्थ बेसन (तनसुख) का नमूना लिया गया। राज्य केन्द्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोग शाखा जयपुर कि रिपोर्ट के अवलोकन से प्रकरण मिथ्याछाप पाया गया। अमानक खाद्य पदार्थ बेसन (तनसुख) का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(11) का उल्लंघन पाया गया। यह कृत्य लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है साथ ही अप्रार्थी को आर्थिक दण्ड दिया जाना आवश्यक है ताकि भविष्य में ऐसी गलती करने से बाज आये।


(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला
एवं जिला
नीमकाथाना



हुकम या कार्यवाही मय इन्डिपेंडेंट्स जज

नंबर व तारीख आहकाम
जो इस हुकम की
तामील में जारी हुए

अतः खाद्य एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 की धारा 52 के तहत अप्रार्थी को 41,000 रु के जुर्माने से दण्डित किया जाता है तथा आदेश दिया जाता है कि जूर्माना राशि हेड 0210-04-800-03-00 खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत राज्यकोष में जरीये चालान जमा करावें एवं जमा राशि कि एक प्रति इस न्यायालय में पेश कि जावे। जूर्माना राशि जमा नहीं कराने पर अप्रार्थी के विरुद्ध खाद्य अधिनियम के तहत कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। आदेश आज दिनांक 25.11.2022 को सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफतर हो।


(अनिल कुमार)
अति. जिला फलवटर,
मीमिकाथामिसीकर
जिला अति. फलवटर